Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. अन्तः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र क्या है?

(अ) ध्रुवों पर स्थित उच्च वायुदाब केंद्र
(ब) विषुवत वृत्त पर स्थित निम्न वायुदाब वाला क्षेत्र
(स) विषुवत वृत्त पर स्थित उच्च वायुदाब वाला क्षेत्र
(द) ध्रुवों पर स्थित न्यून वायुदाब केंद्र

2. आम्र वर्षा भारत के किन क्षेत्रों में होती है?

(अ) केरल व तटीय कर्नाटक
(ब) पंजाब व हरियाणा
(स) बिहार व उत्तर प्रदेश
(द) ओडिशा व पश्चिम बंगाल

3. मानसून के पीछे हटने या लौट जाने को कहा जाता है-

(अ) मानसून के प्रस्फोट
(ब) बारदोली छीड़ा
(स) मानसून का निवर्तन
(द) पश्चिमी विक्षोभ

4. असम में तड़ित झंझाओं के स्थानीय नाम हैं-

(अ) काल वैशाखी
(ब) आम्र वृष्टि
(स) बारदोली छीड़ा
(द) पश्चिमी विक्षोभ

5. दक्षिण भारत के संदर्भ में कौन-सा तथ्य ठीक नहीं है?

(अ) यहाँ वार्षिक तापांतर कम होता है।
(ब) यहाँ तापमान सारा वर्ष ऊँचा रहता है।
(स) यहाँ दैनिक तापांतर कम होता है।
(द) यहाँ जलवायु विषम पाई जाती है।

6. जाड़े के आरंभ में तमिलनाडु के तटीय प्रदेशों में वर्षा किस कारण होती है?

(अ) दक्षिण-पश्चिमी मानसून
(ब) स्थानीय वायु परिसंचरण
(स) उत्तर-पूर्वी मानसून
(द) शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात

7. भारत में मानसून के प्रस्फोट के लिए किसे जिम्मेदार माना जाता है?

(अ) पूर्वी जेट प्रवाह को
(ब) मानसून की अरब सागर शाखा को
(स) लौटते हुए मानसून को
(द) मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा को

8. ऊपरी वायुमंडल में सँकरी पट्टी में अत्यधिक तेज गति से चलने वाली पवनों को कहते हैं-

(अ) जेट स्ट्रीम
(ब) मानसून के प्रस्फोट
(स) पश्चिमी विक्षोभ
(द) मानसून पवनें

9. मॉसिनराम में औसत वार्षिक वर्षा कितनी होती है?

(अ) 900 से.मी.
(ब) 1000 से.मी.
(स) 1080 से.मी
(द) 1050 से.मी.

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. तमिलनाडु के तटीय प्रदेशों में वर्षा कब होती है?

(अ) शरद ऋतु में (ब) पूरे वर्ष भर

(स) जून और सितंबर के बीच (द) ग्रीष्म ऋतु में

रिक्त स्थान

11. भारत के अधिकांश भाग में वर्षा _____ मानसून द्वारा होती है।

12. शीत ऋतु में वर्षा कराने वाली पाश्चात्य हवाओं को _____ कहते हैं।

सत्य/असत्य

13. लू (Loo) प्रायः ग्रीष्म ऋतु में उत्तर भारत में चलती है।

14. थार मरुस्थल शीत ऋतु में अधिक वर्षा कराता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में ध्रुवीय प्रकार की जलवायु कहाँ पाई जाती हैं?

16. दक्षिण-पश्चिम मानसून की ऋतु में गंगा की घाटी में पवनें प्रायः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती है। कारण बताइए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. शीत ऋतु में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में उच्च वायु दाब केंद्र बन जाता है। कारण बताइए।

18. भारतीय मौसम तंत्र को प्रभावित करने वाले तीन महत्त्वपूर्ण कारक कौन-से हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत में तापमान के वितरण के प्रतिरूपों का वर्णन कीजिए।

20. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार भारत में कितनी स्पष्ट ऋतुएँ पायी जाती हैं? किसी एक ऋतु की विशेषताओं की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

HOTS

21. मौसम और जलवायु में अंतर स्पष्ट करें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. **(ब)**
विषुवत वृत्त पर स्थित निम्न वायुदाब वाला क्षेत्र अंतः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र कहलाता है।

2. **(अ)**
ग्रीष्म ऋतु में मानसून के आगमन से पूर्व यह वर्षा होती है। यह वर्षा केरल तथा पश्चिम के तटीय मैदानी भागों में होती है। आम की फसल के लिए उपयोगी होने के कारण ही इसे आम्र वर्षा कहा जाता है।

3. **(स)**
मानसून के निवर्तन की शुरुआत सितंबर के प्रथम सप्ताह से होने लगती है और सर्वप्रथम उत्तर-पश्चिमी भारत, जहाँ मानसून का आगमन सबसे बाद में मानसून के निवर्तन की शुरुआत सितंबर के प्रथम सप्ताह से होने लगती है और सर्वप्रथम उत्तर-पश्चिमी भारत, जहाँ मानसून का आगमन सबसे बाद में आता है, से मानसून वापस लौटने लगता है। मानसून निवर्तन मानसून के पीछे हटने या लौट जाने को 'मानसून का निवर्तन' कहा जाता है।

4. **(स)**
असम में तड़ित झंझाओं का स्थानीय नाम बारदोली छीड़ा हैं। तड़ित चालक एक धातु की चालक छड़ होती है जिसे ऊँचे भवनों की आकाशीय विद्युत से रक्षा के लिये लगाया जाता है। तड़ित चालक का उपरी सिरा नुकीला होता है और इसे भवनों के सबसे ऊपरी हिस्से में जड़ दिया जाता है।

5. **(द)** यहाँ जलवायु विषम पाई जाती है।

6. **(स)** उत्तर-पूर्वी मानसून

7. **(अ)**
भारत में मानसून प्रस्फोट के लिए पूर्वी जेट प्रवाह को जिम्मेदार माना जाता है।

8. **(अ)**
क्षोभमंडल की ऊपरी सीमा तथा समतापमंडल की निचली सीमा में तेजी से विसर्पण करने वाले वायु जो सामान्यतः पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है, जेट स्ट्रीम कहलाती है।

9. **(स)**
मेघालय के मोसिनराम में सबसे अधिक 1021 से.मी. वर्षा होती है।

10. **(अ)**
तमिलनाडु के तटीय प्रदेशों में वर्षा शरद ऋतु में या जाड़ों के आरंभ में होती है।

11. दक्षिण-पश्चिम

12. पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance)

13. सत्य

14. असत्य

15. भारत में ध्रुवीय प्रकार की जलवायु हिमालय के ऊपरी भाग (4000 मीटर से अधिक ऊँचाई पर) में पाई जाती है। जलवायु- ध्रुवीय प्रदेश में स्थित होने के कारण यहाँ शीत ऋतु लम्बी और बड़ी विषम होती है।

16. मानसून की बंगाल की खाड़ी की शाखा उत्तर दिशा में बंगाल, बांग्लादेश व म्यांमार की ओर बढ़ती है। म्यांमार की ओर बढ़ती मानसून पवनों का एक भाग आराकान पहाड़ियों से टकराकर भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में आता है। यह शाखा हिमालय पर्वतमाला के समांतर बढ़ते हुए गंगा के मैदान में वर्षा करती हैं। हिमालय पर्वतमाला मानसूनी पवनों को पार जाने से रोकती हैं व संपूर्ण गंगा बेसिन में वर्षा होती है। उत्तर व उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ी शाखा उत्तर-पूर्वी भारत में भारी वर्षा करती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

17. शीत ऋतु दिसंबर में शुरू होकर फरवरी तक रहती है। सूर्य की किरणें इन दिनों मकर वृत्त पर लम्बवत् पड़ती हैं। दिसंबर से मार्च तक, जिसमें दिसंबर और जनवरी सबसे ठंडे महीने होते हैं; उत्तरी भारत में औसत तापमान 10 से 15 डिग्री सेल्सियस होता है। इस कारण भारत का उत्तर-पश्चिमी भाग शीत ऋतु में अधिक वायुदाब तथा ग्रीष्म ऋतु में कम वायुदाब का केंद्र बन जाता है।

18. भारतीय मौसम तंत्र को प्रभावित करने वाले तीन महत्त्वपूर्ण कारक निम्नलिखित हैं-

i. वायु दाब एवं पवनों का धरातल पर वितरण।

ii. भूमंडलीय मौसम को नियंत्रित करने वाले कारकों तथा विविध वायु संहतियों एवं जेह प्रवाह के अंतर्वाह द्वारा उत्पन्न ऊपरी वायुसंचरण।

iii. शीतकाल में पश्चिमी विक्षोभों और दक्षिणी-पश्चिमी मानसून काल में उष्ण कटिबंधीय अबदाबों के भारत में अंतर्वहन की वजह से उत्पन्न वर्षा की अच्छी दशाएँ।

19. भारत में तापमान के वितरण के प्रतिरूप में काफी भिन्नता देखने को मिलती है। समुद्र के निकट के स्थानों की तुलना में सुदूर आंतरिक भागों के स्थानों में ताप का अंतर अधिक रहता है। भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग की तुलना में सुदूर दक्षिण के स्थानों के तापमान में कम भिन्नताएँ होती हैं। मैदानी स्थानों की तुलना में पहाड़ी स्थानों में तापमान कम रहता है। शीत ऋतु में तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर घटता जाता है। इस ऋतु में औसत मासिक तापमान प्रायद्वीप में 29° सेंटीग्रेड के आसपास रहता है और उत्तर भारत में 12° सेंटीग्रेड से भी कम हो जाता है। सुदूर दक्षिण में औसत न्यूनतम तापमान लगभग 24° सेंटीग्रेड होता है। लगभग उत्तर-पश्चिमी भारत में यह 5° सेंटीग्रेड रहता है। शीत लहर की अवधि में तापमान सामान्य से 6° सेंटीग्रेड नीचे गिर जाता है। इस समय कई दिनों तक उत्तरी भारत में पाला भी पड़ता रहता है। ग्रीष्म ऋतु में उत्तर-पश्चिम भारत के आंतरिक भागों में उच्चतम तापमान रहता है। संपूर्ण उत्तर भारत में अप्रैल में औसत मासिक तापमान 37° सेंटीग्रेड से अधिक हो जाता है। उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के अधिकतर भागों में मई का तापमान 40° सेंटीग्रेड से ऊपर चला जाता है। पश्चिमी राजस्थान और मध्य भारत में अधिकतम तापमान कभी-कभी 50° सेंटीग्रेड तक बढ़ जाता है। उत्तर-पश्चिमी भारत में जब तापमान सामान्य से 6° सेंटीग्रेड से अधिक हो जाता है तो यहाँ गर्मी की लहर आ जाती हैं। संपूर्ण भारत में मई के महीने में औसत न्यूनतम तापमान 21° सेंटीग्रेड से अधिक रहता है लेकिन प्रायद्वीप के पूर्वी आधे भाग में यह 26° सेंटीग्रेड से अधिक रहता है। मानसूनी वर्षा यह के प्रारंभ होते ही तापमान तेजी से गिरने लगता है।

20. भारत की जलवायु दशाओं को उसके वार्षिक ऋतु चक्र के द्वारा सबसे अच्छे से व्यक्त किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिक वर्ष को निम्नलिखित चार ऋतुओं में बाँटते हैं-

i. शीत ऋतु

ii. ग्रीष्म ऋतु

iii. दक्षिण-पश्चिमी मानसून की ऋतु

iv. मानसून के निवर्तन की ऋतु

ग्रीष्म ऋतु- अप्रैल, मई व जून में उत्तरी भारत में स्पष्ट रूप से ग्रीष्म ऋतु होती है। भारत के ज़्यादातर भागों में तापमान 30° से 32° सेल्सियस तक पाया जाता है। दक्कन पठार में मार्च में दिन का अधिकतम तापमान 38° सेल्सियस हो जाता है। जबकि गुजरात में अप्रैल में और मध्य प्रदेश में यह तापमान 38° से 45° सेल्सियस के बीच पाया जाता है। मई में ताप की यह पेटी और ज़्यादा उत्तर में खिसक जाती है।

दक्षिण भारत में ग्रीष्म ऋतु मृदु होती है न कि उत्तरी भारत जैसी प्रखर। दक्षिणी भारत की प्रायद्वीपीय स्थिति समुद्र के समकारी प्रभाव की वजह से यहाँ के तापमान को उत्तरी भारत में प्रचलित तापमानों से नीचे रखती है। अतः दक्षिण में तापमान 26° से 32° सेल्सियस के मध्य रहता है। पश्चिमी घाट की पहाड़ियों के कुछ क्षेत्रों में ऊँचाई की वजह से तापमान 25° सेल्सियस से भी कम रहता है। तटीय भागों में समताप रेखाएँ तट के समानांतर उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली हैं जो प्रमाणित करती है कि तापमान उत्तरी भारत से दक्षिणी भारत की ओर न बढ़कर तटों से भीतर की ओर बढ़ता है। गर्मी के महीनों में औसत न्यूनतम दैनिक तापमान भी काफी ऊँचा रहता है और यह 26° सेल्सियस से शायद ही कभी नीचे जाता हो।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

21. मौसम और जलवायु में निम्नलिखित अंतर है :-

मौसम	जलवायु
मौसम वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। अधिकांश मौसम को प्रभावित करने वाली घटनाएं क्षोभ मंडल (ट्रोपोस्फीयर) में होती है।	जलवायु किसी बड़े इलाके का औसत मौसम है जो कि एक लम्बे समय से बना रहता है।
मौसम जल्दी-जल्दी बदलता है, जैसे कि एक दिन में या एक सप्ताह में।	जलवायु में बदलाव 50 या इससे भी अधिक वर्षों में आता है।
एक प्रदेश में मौसम में परिवर्तन बार-बार दिखाई देता है।	एक प्रदेश में जलवायु में भिन्नता नहीं पाई जाती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES